आंतरिक गुणवत्ता आश्वासन प्रकोष्ठ

महाराजा सूरजमल शिक्षक प्रशिक्षण महाविद्यालय

द्वारा

स्वामी विवेकानन्द : भारतीय ज्ञान परंपरा के विश्व मंच पर प्रतिस्थापक

विषय पर

विभागीय संगोष्ठी

दिनांक 12 जनवरी 2024

अध्यक्ष – डॉ. अनिल कुमार श्रीवासतव

संयोजक – डॉ. जाग्रति शर्मा

सह–संयोजक – जीतेन्द्र सिंह

सेमिनार के उद्देश्य –

नई शिक्षा नीति 2020 के आधारभूत सिद्धांत के रूप भारत को पुनः विश्व गुरू के रूप में .स्थापित करना एवं भारतीय ज्ञान परंपरा को शिक्षा के माध्यम से भातरतीय युवा पीढ़ी को संवर्धित करने पर विशेष जोर दिया गया है। विश्वविद्यालय अनुदान आयोग द्वारा इस विषय पर पाठ्यक्रम तैयार किया गया है तथा देश के उच्च शिक्षण संस्थानों के अध्यापकों के लिए भी इस विषय पर शिक्षक संवर्धन कार्यक्रम विश्वविद्यालय अपुदान आयोग द्वारा देश के उच्च शिक्षण संस्थानों के माध्यम सें आयोजित हैं। परतंत्र भारत जब भारतीय धर्म एवं संस्कृति अस्तित्व के संघर्ष में थे, उस समय युगपुरुष स्वामी विवेकानन्द ने भारतीय धर्म एवं संस्कृति को शिकागों धर्म सम्मेलन एवं उसके बाद की यात्राओं के द्वारा न केवल पुनर्जीवित किया अपितु समृद्ध संस्कृति के रूप में विश्व पटल पर स्थापित भी किया । 12 जनवरी को श्रद्धेय स्वामी जी का आहवान करते हुए , महाविद्यालय में अध्ययनरत भावी शिक्षकों को भारतीय ज्ञान परंपरा के प्रति समझ एवं रूचि जाग्रत करने हेतु एक संवाद वार्ता की आवश्यकता का अनुभव हुआ , इसी उद्देश्य से आंतरिक गुणवत्ता आश्वासन प्रकोष्ठ द्वारा इस संगोष्ठि का आयोजन किया जा रहा है।

पात्र प्रतिभागी–

- महाविद्यालय के समस्त प्रवक्ता
- महाविद्यालय के सभी छात्र–छत्राएं

पत्र आमंत्रण

जो भी शिक्षक एवं छात्र–छात्रा सेमिनार में पत्र प्रस्तुत करने के इच्छुक हों वे दिनांक 10/01/2024 तक अपने पत्र निम्नानुसार भेज दें। चयनित पत्रों का प्रकाशन स्मारिका में किया जायेगा।

हिन्दी

फोन्ट – कृति देव 10, लाइन स्पेसिंग 1.5, शब्द संख्या अधिकतम 1000 शब्द

English

Font – Times New Roman, line spacing 1.5-word limit maximum 1000 words.

Email – msnaacbtp21gmail

https://forms.gle/AGX1RHrTcWeMaBoAA